सीएसए में निकली नारी शक्ति वंदन रैली

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कम्युनिटी साइंस कॉलेज द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना तृतीय ने भी प्रतिभाग किया।यह रैली महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संगीता गुप्ता सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विभिन्न विभागों के टीचिंग एसोसिएट्स डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ. स्वप्निल सिंह, डॉ. ऐलेना तखेल्लंबम, डॉ. ऐश्वर्या सिंह और डॉ. जया वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। रैली में छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक

समानता तथा महिलाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाई। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रभावशाली नारे लगाए, जिनमें 'इस दुनिया की शान है नारी, जीवन का आधार है नारी', 'नारी का सम्मान, देश का अभिमान' जैसे नारे विशेष रूप से गूंजे। रैली पूरे परिसर में निकाली गई, जिससे लोगों को महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। शिक्षकों, टीचिंग एसोसिएट्स और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने रैली को सफल और प्रभावशाली बनाया तथा अंत में यह कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान, एकता और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश देकर संपन्न हुआ।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क 99 | लखनऊ व एटा से प्रकशित रविवार, 19 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 2.0

सीएसए में नारी शक्ति वंदन रैली का हुआ आयोजन

अनवर अशरफ

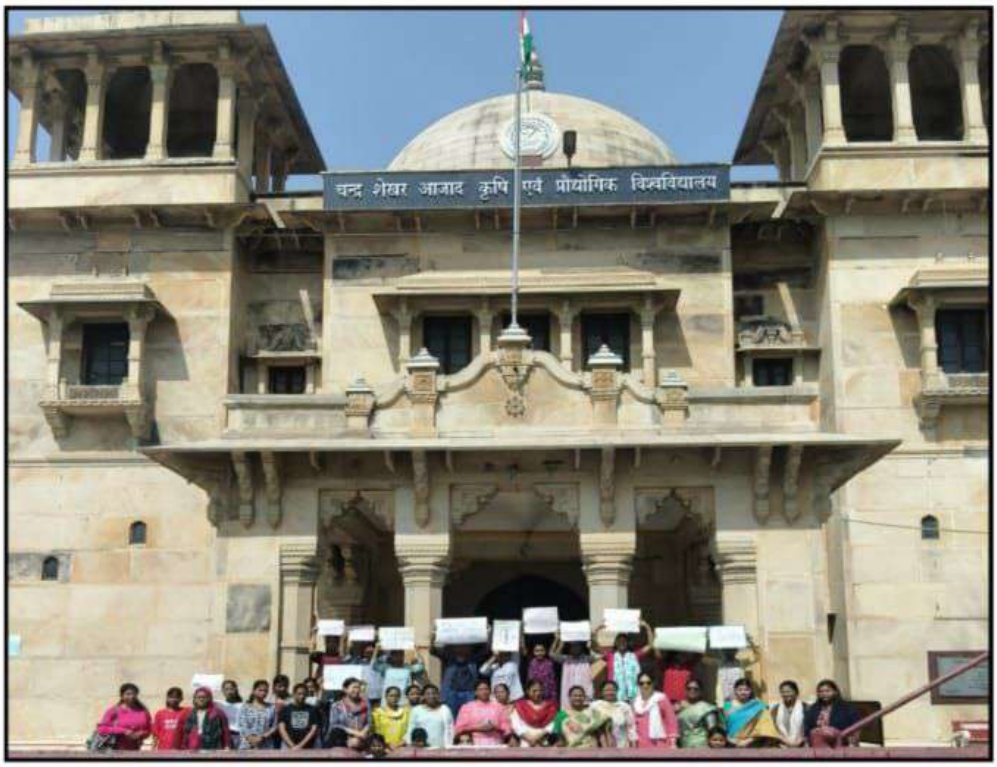

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कम्युनिटी साइंस कॉलेज द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना तृतीय ने भी प्रतिभाग किया।यह रैली महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संगीता गुप्ता सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विभिन्न विभागों के टीचिंग एसोसिएट्स डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ. स्वप्निल सिंह, डॉ. ऐलेना तखेल्लंबम, डॉ. ऐश्वर्या सिंह और डॉ. जया वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। रैली में छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा महिलाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाई। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रभावशाली नारे लगाए, जिनमें इस दुनिया की शान है नारी, जीवन का आधार है नारी नारी का सम्मान, देश का अभिमान जैसे नारे विशेष रूप से गूंजे। रैली पूरे परिसर में निकाली गई, जिससे लोगों को महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। शिक्षकों, टीचिंग एसोसिएट्स और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने रैली को सफल और प्रभावशाली बनाया तथा अंत में यह कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान, एकता और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश देकर संपन्न हुआ।

संवाददाता/ डीटीएनएन

सीएसए में नारी शक्ति वंदन रैली का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कम्युनिटी साइंस कॉलेज द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना तृतीय ने भी प्रतिभाग किया। यह रैली महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई। जिसमें डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संगीता गुप्ता सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विभिन्न विभागों के टीचिंग एसोसिएट्स डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ. स्वप्निल सिंह, डॉ. ऐलेना तखेलंबम, डॉ. ऐश्वर्या सिंह और डॉ. जया वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। रैली में छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा महिलाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाई। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रभावशाली नारे लगाए, जिनमें 卐इस दुनिया की शान है नारी, जीवन का आधार है नारी卐, 卐नारी का सम्मान, देश का अभिमान卐 जैसे नारे विशेष रूप से गूंजे। रैली पूरे परिसर में निकाली गई, जिससे लोगों को महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। शिक्षकों, टीचिंग एसोसिएट्स और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने रैली को सफल और प्रभावशाली बनाया तथा अंत में यह कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान, एकता और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश देकर संपन्न हुआ।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 283 कानपुर, रविवार 19 अप्रैल 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

नारी शक्ति वंदन रैली में प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर लगाए प्रभावशाली नारे

कानपुर। सीएसए के कम्युनिटी साइंस कॉलेज द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना तृतीय ने भी प्रतिभाग किया।यह रैली महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संगीता गुप्ता सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विभिन्न विभागों के टीचिंग एसोसिएट्स डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ. स्वप्निल सिंह, डॉ. ऐलेना तखेल्लंबम, डॉ. ऐश्वर्या सिंह और डॉ. जया वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। रैली में छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा महिलाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाई। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रभावशाली नारे लगाए, जिनमें 卐इस दुनिया की शान है नारी, जीवन का आधार है नारी卐, 卐नारी का सम्मान, देश का अभिमान卐 जैसे नारे विशेष रूप से गूंजे। रैली पूरे परिसर में निकाली गई, जिससे लोगों को महिलाओं

के अधिकार, सम्मान और उनके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। शिक्षकों, टीचिंग एसोसिएट्स और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने रैली को सफल और प्रभावशाली बनाया तथा अंत में यह कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान, एकता और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश देकर संपन्न हुआ।

शख्सियत

शोध और अनुसंधान के दम पर शहर के तीन विज्ञानी चीनी उद्योग और खेती में बदलाव की नई इबारत लिख रहे हैं। डा. संजय चौहान, महेंद्र यादव और डा. श्वेता के अभिनव माडल ने चीनी उद्योग में ऊर्जा दक्षता और कृषि क्षेत्र में टिकाऊपन की नई परिभाषा तय की है। इन विज्ञानियों के प्रयासों से न केवल उद्योग और किसानों को नई राह मिली है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली है। पढ़िए, जागरण संवाददाता श्याम चंद सिंह की रिपोर्ट...

चीनी उद्योग और खेती में बदलाव की नई इबारत लिख रहे शहर के तीन विज्ञानी

चीनी उद्योग में ऊर्जा बचत का लाए नया माडल

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संजय चौहान (शुगर इंजीनियरिंग) ने चीनी उद्योग में ऊर्जा संकट और बढ़ती लागत का वैज्ञानिक समाधान खोज निकाला है। उन्होंने और उनकी टीम ने फ्लू गैस वैलोराइजेशन सिस्टम विकसित किया है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक प्रक्रिया में गन्ने के रस को गर्म करने के लिए भारी मात्रा में भाप का उपयोग होता है, जिससे ऊर्जा लागत काफी बढ़ जाती है। फ्लू गैस वैलोराइजेशन सिस्टम के तहत बायलर से निकलने वाली फ्लू गैस की बची हुई तापीय ऊर्जा को वायुमंडल में जाने से पहले रोककर 'डायरेक्ट कांटेक्ट हीटिंग टावर' के माध्यम से जूस को गर्म किया जाता है। इससे चीनी मिलों में भाप की खपत 11-12 प्रतिशत की कमी आती है। यह नवाचार न केवल उद्योग की उत्पादन लागत घटाकर आर्थिक लाभ पहुंचाता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन कम कर पर्यावरणीय स्थिरता को भी नई मजबूती देता है। इस तकनीक के विकास के लिए भारत सरकार के उपभोक्ता मामले एवं खाद्य मंत्रालय ने हाल ही में दिल्ली में डॉ. संजय चौहान और उनकी टीम को सम्मानित किया है।

डा. संजय चौहान • सौजन्य

सल्फर-फ्री रिफाइंड शुगर बनाने का खोला रास्ता

डा. महेंद्र यादव • सौजन्य

इस नवाचार में विशेष रूप से सैचुरेटर को हाई-प्रेशर मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन के साथ जोड़ा गया है

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. महेंद्र यादव ने चीनी उद्योग को रसायनों के बोझ से मुक्त करने के लिए 'डबल-सीडली हाइब्रिड प्रोसेसिंग तकनीक' विकसित की है। इस 'सिंगल-स्टेज मेल्ट कार्बोनेशन' माडल के जरिए उन्होंने महंगे रसायनों पर निर्भरता को कम करते हुए उच्च गुणवत्ता वाली 'सल्फर-फ्री रिफाइंड शुगर' बनाने का रास्ता खोल दिया है। इस नवाचार में विशेष रूप से डिजाइन किए गए सैचुरेटर को हाई-प्रेशर मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन के साथ जोड़ा गया है, जिससे जूस की शुद्धता और शुगर रिकवरी में उल्लेखनीय सुधार होता है। यह तकनीक न केवल उत्पादन लागत घटाकर चीनी मिलों को आर्थिक मजबूती प्रदान करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। भारतीय चीनी उद्योग के लिए 'गेम चेंजर' मानी जा रही यह प्रणाली वैश्विक मानकों पर खरी उतरने वाली शुद्ध चीनी का उत्पादन संभव बनाएगी।

कृषि शोध में उत्कृष्ट योगदान पर डा. श्वेता सम्मानित

डा. श्वेता • सौजन्य

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की विज्ञानी डा. श्वेता को हाल ही में विशिष्ट महिला विज्ञानी पुरस्कार हासिल हुआ है। वह जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्रीडिंग विभाग में ऐसी फसलों पर शोध कर रही हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने और खेती को टिकाऊ बनाने में मददगार साबित हों। दलहन, अलसी, जई, चना, लोबिया, फाबा बीन व मिलेट्स पर उनके शोध कार्यों से कृषि उत्पादकता में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। उनके 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 12 पुस्तकें और तीन प्रायोगिक मैनुअल भी लिखे हैं। डा. श्वेता वर्ष 2020 से न्यूट्री गार्डन पहल के जरिए पोषण सुरक्षा और कम प्रचलित फसलों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोध प्रस्तुत करने के अनुभव ने उनके कार्यों को नई दिशा दी है।